आज की जनधारा

epaper www.aajkijandhara.com | email:aajkijandhara@gmail.com | वर्ष : 28 | अंक : 36 | रायपुर, गुरुवार 13 दिसंबर 2018 | अगहन शुक्ल पक्ष- 06 वि.सं. 2075 | पृष्ठ : 08 | फोन : 9425243430, 9644483779 | मूल्यः 2.00 ₹

सीएम की रेस में भूपेश आगे!

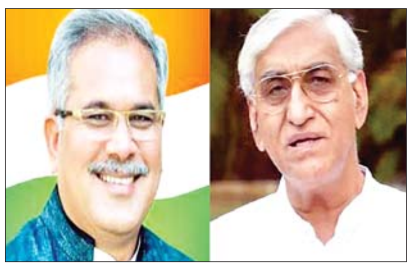

देर रात तक चलती रही विधायक दल की बैठक

सिंहदेव के नाम पर भी हुई चर्चा

रायपुर। प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री तय करने के लिए देर रात तक कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक जारी रही। जिसमें सभी विधायक एकमत से अपने विधायक दल का नेता तय करने विचार विर्मश करते रहै। खबरों के अनुसार पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेश बघेल इस रेस में सबसे आगे हैं। माना जा रहा है कि इस बैठक में प्रारंभिक चर्चा होगी। अगर आज पहली बैठक में बात नहीं बनी तो गुरुवार की सुबह भी बैठक हो सकती है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री के चयन के लिए लोकसभा में कांग्रस दल के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रेक्षक नियुक्त किया है। पर्यवेक्षक मल्लिकार्जुन खड़गे की अगुवाई में सभी नवनिर्वाचित विधायकों के साथ शाम 7 बजे बैठक शुरु हुई। बैठक में राज्य के कांग्रेस प्रभारी पी.एल. पुनिया के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी सचिव डॉ चंदन यादव और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी सचिव डॉ अरुण उरांव भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री पद के लिए दौड़ में मुख्य रूप से पाटन से विधायक भूपेश बघेल के अलावा पार्टी के दिग्गज नेता और पिछली विधानसभा में विपक्ष के नेता रहे टी.एस. सिंहदेव और राज्य से लोकसभा सांसद ताम्रध्वज साहू भी शामिल हैं।

तीनों के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री चरण दास महंत को भी मुख्यमंत्री पद के लिए दौड़ में माना जा रहा है। पूर्व राज्य मंत्री बघेल को इस दौड़ में सबसे आगे देखा जा रहा है। पार्टी के एक सूत्र ने कहा, बघेल ने जमीनी स्तर पर काम करने के साथ-साथ केंद्र और राज्य के नेताओं के साथ समन्वय किया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में उन्होंने बहुत मेहनत की है और उनके मुख्यमंत्री के रूप में चुने जाने की संभावना है।

छग में भूपेश, राजस्थान में सचिन और मप्र में कमलनाथ बनेंगे सीएम : छत्तीसगढ़ के अलावा राजस्थान और मध्यप्रदेश में चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस के मुख्यमंत्री को लेकर कश्मकश बनी हुई है। इस बीच वरिष्ठ पत्रकार पुण्यप्रूसन बाजपेई ने अपने ट्विटर हैंडल के जरिए मध्यप्रदेश में कमलनाथ, राजस्थान में सचिन पायलट शेष पृष्ठ 7 पर

सिंहदेव का कांग्रेस भवन में शाही स्वागत

प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जश्न पूरे उफान पर है। प्रदेश भर से कांग्रेस कार्यकर्ता राजधानी में चल रहे जश्न में शरीक हो रहे हैं। कांग्रेस भवन में सुबह से ही नव निर्वाचित विधायकों का तांता लगा हुआ है। इस खास मौके पर कांग्रेस भवन को खास तौर पर सजाया गया है। दुधिया रोशनी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने इस लकी कांग्रेस भवन को सजाया है। वहीं महिला कांग्रेस ने नवनिर्वाचित विधायकों की आरती उतारी और उनका तिलक लगाकर कांग्रेस भवन में स्वागत किया। महिला कांग्रेस की अध्यक्ष फूलो देवी नेताम, किरणमयी नायक सहित महिला कांग्रेस की तमाम पदाधिकारियों ने आरती की थाल सजाकर कांग्रेस भवन के मुख्य द्वार पर ही मौजूद रही। टीएस सिंहदेव का इस दौरान महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं ने शाही साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं के स्वागत से सिंहदेव काफी अभिभूत नजर आये।

कमलनाथ होंगे मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री!

25 साल बाद होगा सपना पूरा

भोपाल। संजय गांधी के दोस्त कमलनाथ मध्य प्रदेश के नए मुख्यमंत्री होंगे। कांग्रेस विधायकों ने उन्हें अपना नेता चुना है लेकिन कांग्रेस की परंपरा के मुताबिक उनके नाम की औपचारिक घोषणा कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी करेंगे। केंद्रीय पर्यवेक्षक एके एंटनी की मौजूदगी में हुई कांग्रेस विधायकों की बैठक में कमलनाथ के अलावा दिग्विजय सिंह, ज्योतिरादित्य सिंधिया, दीपक बावरिया और अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

राहुल पर विधायकों ने छोड़ा फैसला : सूत्रों के मुताबिक पर्यवेक्षक ने विधायकों से उनकी राय जानी। बाद में सर्वसम्मति से फैसला राहुल गांधी पर छोड़ दिया गया। एंटनी राहुल को विधायकों की राय बताएंगे। माना जा रहा है कि हालात को देखते हुए देर रात या गुरुवार सुबह कमलनाथ के नाम का औपचारिक ऐलान हो जाएगा। 72 साल के कमलनाथ प्रदेश की छिंदवाड़ा लोकसभा सीट का 1980 से प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वह अब तक 9 बार लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। कमलनाथ को राहुल गांधी ने गत 1 मई को मध्य प्रदेश कांग्रेस की कमान सौंपी थी। कमलनाथ की अगुआई में ही कांग्रेस बीजेपी के 15 साल के शासन को हटाने में कामयाब हुई है। बता दें कि मंगलवार को आए विधानसभा चुनाव नतीजों में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला था। पार्टी को कुल 114 सीटें ही हासिल हुई हैं लेकिन बीएसपी सुप्रीमो मायावती ने बिना शर्त समर्थन देकर उसका रास्ता आसान कर दिया। बाद में 4 निर्दलीय विधायक भी कांग्रेस के समर्थन में आ गए।

ज्योतिरादित्य ने खुद कमलनाथ का नाम बढ़ाया : बुधवार शाम 4 बजे एके एंटनी की मौजूदगी में कांग्रेस के विधायकों की बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष ज्योतिरादित्य सिंधिया ने खुद कमलनाथ का नाम आगे बढ़ाया। अन्य नेताओं ने उनके नाम का समर्थन किया। बाद में वरिष्ठ विधायक आरिफ अकील ने यह प्रस्ताव रखा कि विधायक दल का नेता चुनने का फैसला कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर छोड़ा जाए। एंटनी यह प्रस्ताव लेकर दिल्ली जाएंगे, वहीं पर आधिकारिक घोषणा होगी। विधायकों की बैठक के बाद कांग्रेस प्रवक्ता शोभा ओझा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से यह फैसला शेष पृष्ठ 7 पर

राजस्थान पर राहुल गांधी लेंगे अंतिम फैसला

जयपुर/भोपाल/रायपुर। राजस्थान में कांग्रेस विधायकों की बैठक हो चुकी है। राजस्थान में पार्टी के विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री के नाम पर चर्चा जरूर हुई, लेकिन कोई आम सहमति नहीं बन पाई। अशोक गहलोत और सचिन पायलट खेमे आमने–सामने हैं। फैसला अब पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी को करना है। इस बीच खबर यह आ रही है कि कांग्रेस राजस्थान की कमान बारी–बारी से गहलोत और पालयलट को सौंपने के फॉर्म्युले पर विचार कर रही है। बता दें कि अभी यह कयास ही है। जयपुर में कांग्रेस कुछ देर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकती है। माना जा रहा है कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री के नाम का ऐलान कर दिया जाएगा। राजस्थान में सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच मुख्यमंत्री पद को लेकर कड़ी टक्कर है। दोनों नेताओं के समर्थक अपने नेता का दावा मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते हैं। खबरें हैं कि पार्टी राहुल गांधी ने खुद कई कार्यकर्ताओं और नेताओं को फोन कर इस मामले पर उनकी राय जानी है।

प्रमुख सचिव अमन सिंह ने दिया इस्तीफा

रायपुर। प्रदेश में सरकार बदलने का असर दिखने लगा है। इस्तीफों के दौर के साथ ही तबादलों की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। विधानसभा चुनावों के दौरान विपक्ष के निशाने पर रहे मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के प्रमुख सचिव अमन सिंह ने मंगलवार रात अपने पद से इस्तीफा दे दिया। प्रदेश की नौकरशाही में नंबर एक की पोजीशन पर रहे अमन सिंह रमन के रणनीतिक सलाहकार भी थे। प्रदेश में संचार क्रांति, गरीब परिवारों और युवाओं को मोबाइल वितरण भी उनकी ही योजना का हिस्सा है। इससे पहले मंगलवार को मुख्यमंत्री के सलाहकार और स्टेट प्लानिंग कमीशन के डिप्टी चेयरमैन सुनील कुमार ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगन मूंदड़ा ने दिया इस्तीफा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार जाने के साथ तमाम निगमों और मंडलों में बैठे अध्यक्षों के इस्तीफा देने का दौर शुरू हो गया है। इस कड़ी में सुबह से लगाए जा रहे कयास के बीच छत्तीसगढ़ स्टेट इण्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट कार्पोरेशन (सीएसआईडीसी) के अध्यक्ष छगन मूंदड़ा ने दोपहर तक अपने पद से इस्तीफा दे दिया। छगन मूदड़ा के इस्तीफा देने पर निगम के अधिकारियों ने विदाई दी। इस अवसर पर मूंदड़ा ने कहा कि साढ़े तीन साल के कार्यकाल के दौरान सभी अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिला। जब मैं अध्यक्ष बना तो सोचता था कि इस पद का निर्वहन कैसे करुंगा। लेकिन उद्योग से जुड़े होने के कारण कोई कठिनाई नहीं हुई।

किसानों की कर्जमाफी की प्रक्रिया शुरू

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सरकार बदलते ही कामकाज के तरीकों में भी बदलाव होता दिख रहा है। सरकार ने चुनाव के दौरान किसानों की कर्जमाफी का मुद्दा काफी मजबूती से उठाया था। वादा ये किया गया था कि सरकार बनने के 10 दिन के भीतर ही किसानों की कर्ज माफी कर दी जायेगी। सरकार अभी गठन तो नहीं हुआ है, लेकिन ब्यूरोक्रेसी में अभी से ही कर्जमाफी को लेकर कदम बढ़ा दिये गये हैं। सहकारिता विभाग ने सभी सहकारी बैंकों के अलावे संस्थागत वित्त, इंद्रावती भवन के संचालक, राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी के संयोजकों को पत्र जारी कर कर्ज को लेकर रिकार्ड मांगे हैं। माना जा रहा है कि किसानों का करीब 5000 करोड़ रुपया कर्ज है, जिसे सरकार माफ करेगी। सहकारिता विभाग के उप सचिव पीएस सर्पराज के आदेश से जारी हुए पत्र में कहा गया है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा अपने जन घोषणा पत्र में सरकार बनने के 10 दिन के भीतर किसानों का कर्जा माफ करने की घोषणा की गयी है, उक्त घोषणा की पूर्ति हेतु किसानों की ऋण माफी योजना तैयार किया जाना है।